

ओ३म्



गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय) हरिद्वार

(यू.जी.सी. एक्ट 1956 के सेक्शन 3 के अन्तर्गत समविश्वविद्यालय)

Gurukula Kangri (Deemed to be University) Haridwar
(Deemed to be University u/s 3 of UGC Act 1956)

शिक्षा पटल की कार्यवाही

स्थान : सीनेट हॉल सभागार

दिनांक : 22 अप्रैल, 2026

समय : अपराह्न 02.30

समविश्वविद्यालय में भारत सरकार/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुरूप गठित शिक्षा पटल की बैठक माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता आहुत हुई। बैठक में निम्न महानुभाव उपस्थित रहे।

क्र.सं.	नाम शिक्षक	विभाग / संकाय
1.	प्रो० प्रतिभा मेहता लूथरा	मा० कुलपति जी
2.	प्रो० वाई.पी. सिंह	शिक्षाविद् / विशेषज्ञ सदस्य, अनुपस्थित
3.	डॉ० अमित भरु	शिक्षाविद् / विशेषज्ञ सदस्य, अनुपस्थित
4.	प्रो० विनय विद्यालंकार	शिक्षाविद् / विशेषज्ञ सदस्य, अनुपस्थित
5.	प्रो० श्रवण कुमार शर्मा	शिक्षाविद् / विशेषज्ञ सदस्य, अनुपस्थित
6.	प्रो० सत्यप्रकाश शर्मा	शिक्षाविद् / विशेषज्ञ सदस्य, अनुपस्थित
7.	श्री आर.एस. मीणा	शिक्षाविद् / विशेषज्ञ सदस्य, अनुपस्थित
8.	प्रो० एल०पी० पुरोहित	परीक्षा नियंत्रक एवं विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग
9.	प्रो० विनोद कुमार सिंह	वित्ताधिकारी एवं प्रोफेसर, प्रबन्ध अध्ययन विभाग
10.	प्रो० देवेन्द्र कुमार गुप्ता	संकायाध्यक्ष, प्राच्य विद्या संकाय, विभागाध्यक्ष, प्रा०भा०इ०,सं० एवं पुरातत्व, दर्शन विभाग एवं ज्योतिर्विज्ञान एवं वैदिक कर्मकाण्ड विभाग
11.	प्रो० मुदिता अग्निहोत्री	संकायाध्यक्ष, मानविकी संकाय, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी एवं हिन्दी विभाग
12.	प्रो० कर्मजीत भाटिया	संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय
13.	प्रो० नमिता जोशी	संकायाध्यक्ष, जीव विज्ञान संकाय एवं विभागाध्यक्ष, जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग
14.	प्रो० सुरेखा राणा	संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष, प्रबन्ध अध्ययन संकाय प्रबन्ध अध्ययन विभाग
15.	प्रो० मयंक अग्रवाल	संकायाध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय, विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विज्ञान, इलैक्ट्रीकल एवं मैकेनिकल विभाग
16.	प्रो० डी०एस० मलिक	संकायाध्यक्ष, भेषज विज्ञान विभाग
17.	प्रो० मुकेश कुमार	संकायाध्यक्ष शिक्षा एवं प्रशिक्षण संकाय, विभागाध्यक्ष, वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
18.	प्रो० सत्यदेव निगमालंकार	संकायाध्यक्ष योग एवं शारीरिक शिक्षा संकाय एवं विभागाध्यक्ष श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान तथा योग विज्ञान विभाग
19.	प्रो० हेमन पाठक	कोऑर्डिनेटर, कन्या गुरुकुल परिसर, देहरादून एवं विभागाध्यक्ष कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, अनुपस्थित
20.	प्रो० दिनेशचन्द्र शास्त्री	विभागाध्यक्ष, वेद विभाग
21.	प्रो० सीमा शर्मा	विभागाध्यक्ष, गणित एवं सांख्यिकी विभाग तथा डीन, एकेडमिक
22.	प्रो० सत्येन्द्र राजपूत	विभागाध्यक्ष, भेषज विज्ञान विभाग
23.	प्रो० अंजली गोयल	विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, अनुपस्थित
24.	प्रो० ब्रह्मदेव	विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग
25.	डॉ० अजय मलिक	प्रभारी, शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग
26.	डॉ० एम०एम० तिवारी	विभागाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग
27.	प्रो० विपुल शर्मा	विभागाध्यक्ष, इलैक्ट्रानिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग
28.	प्रो० राकेश कुमार	विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग
29.	प्रो० विवेक कुमार	प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान, अनुपस्थित
30.	प्रो० पंकज मदान	प्रोफेसर, प्रबन्ध अध्ययन विभाग एवं निदेशक, IQAC

साह

रक्षक

31.	प्रो० प्रवीणा चतुर्वेदी	प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग
32.	प्रो० राकेश कुमार	प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग एवं निदेशक, एन०ई०पी०
33.	प्रो० रामप्रकाश वर्णी	प्रोफेसर, श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान विभाग, अनुपस्थित
34.	प्रो० नवनीत	प्रोफेसर, वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
35.	प्रो० कर्मजीत भाटिया	प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग
36.	प्रो० प्रभात कुमार	प्रोफेसर, प्रा०भा०इ०, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, अनुपस्थित
37.	प्रो० रेणु शुक्ला	प्रोफेसर, प्रा०भा०इ०, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, अनुपस्थित
38.	प्रो० वी०के० सिंह	प्रोफेसर, प्रबन्ध अध्ययन विभाग
39.	डॉ० राज कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग
40.	डॉ० मनोज कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर, गणित एवं सांख्यिकी विभाग
41.	डॉ० आभा शुक्ला	एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग
42.	डॉ० निधि हाण्डा	एसोसिएट प्रोफेसर, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, अनुपस्थित
43.	डॉ० संगीता मदान	एसोसिएट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग
44.	डॉ० बबीता शर्मा	असिस्टेंट प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग
45.	डॉ० सुनीता रानी	असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग
46.	डॉ० रीतू अरोड़ा	असिस्टेंट प्रोफेसर, गणित एवं सांख्यिकी विभाग
47.	डॉ० ऋचा सैनी	असिस्टेंट प्रोफेसर, भौतिकी विज्ञान विभाग
48.	डॉ० हिमांशु गुप्ता	असिस्टेंट प्रोफेसर, भौतिकी विज्ञान विभाग
49.	डॉ० श्वेतांक आर्य	उपकुलसचिव, स्थापना-2, ऑनलाइन
50.	डॉ० सुहास	डीन, रिसर्च एण्ड डवलपमेंट, विशेष आमंत्रित सदस्य
51.	प्रो० सत्यदेव निगमालंकार	कुलसचिव/संयोजक

ईश्वर की प्रार्थना के साथ बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ हुई।

कुलसचिव द्वारा नवनियुक्त मा० कुलपति प्रो० प्रतिभा मेहता लुथरा तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। मा० कुलपति जी की अनुमति से कुलसचिव प्रो० सत्यदेव निगमालंकार द्वारा परीक्षा नियंत्रक प्रो० लक्ष्मी प्रसाद पुरोहित को प्रस्ताव सदन के समक्ष प्रस्तुत किये जाने हेतु आमंत्रित किया। परीक्षा नियंत्रक द्वारा प्रस्ताव सदन के समक्ष प्रस्तुत किये गए। प्रस्तावों पर लिए गए निर्णयों का विवरण निम्नवत है :

प्रस्ताव संख्या-01	<p>नए सदस्यों का स्वागत :</p> <p>प्रोफेसर दिनेशचन्द्र शास्त्री, विभागाध्यक्ष, वेद विभाग</p> <p>प्रोफेसर कर्मजीत भाटिया, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय</p> <p>प्रोफेसर सत्येन्द्र राजपूत, विभागाध्यक्ष, भेषज विज्ञान विभाग</p> <p>प्रोफेसर पंकज मदान, निदेशक, आई.क्यू.ए.सी., विशेष आमंत्रित सदस्य</p> <p>डॉ० श्वेतांक आर्य, उपकुलसचिव, स्थापना-2, विशेष आमंत्रित सदस्य एवं</p> <p>डॉ० सुहास, निदेशक, रिसर्च एवं डवलपमेंट, विशेष आमंत्रित सदस्य</p> <p>सदन में नए सदस्यों का स्वागत किया गया।</p>
प्रस्ताव संख्या-02	<p>शिक्षा पटल की गत बैठक दिनांक 23.02.2026 की कार्यवाही का अनुमोदन।</p> <p>प्र.सं. 04 कन्या गुरुकुल परिसर हरिद्वार में संचालित बी०टैक (कम्प्यूटर विज्ञान) पाठ्यक्रम के संबंध में कुलपति महोदया ने कहा कि कन्या गुरुकुल में बी०टैक कक्षाएं संचालित करने हेतु सभी सुविधाएं उपलब्ध होने पर आगामी सत्रों में उक्त पाठ्यक्रम नियमानुसार/जोसा के माध्यम से किये जायेंगे।</p> <p>प्रस्ताव संख्या 04 (19) (2) अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रथाओं के अनुरूप ग्रेस मार्क्स प्रावधान को शामिल करने का प्रस्ताव।</p> <p>(Proposal for Inclusion of Grace Marks Provision in line with practices followed by other Universities).</p> <p>उक्त के संदर्भ में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि ग्रेस मार्क्स अधिकतम 05 अंक का अंतिम वर्ष/गोल्डन में एक विषय पर दिया जाए, बशर्ते अभ्यर्थी अन्य सभी सेमेस्टर के विषयों/प्रश्नपत्रों में उत्तीर्ण हो यह मई 2025 व उससे आगे परीक्षा में बैठे अभ्यर्थियों पर लागू होगा। यह दिए गए कृपांक संबंधित प्रश्न पत्र के मूल अंकों</p>

LMH

रुचिरा

	<p>में जोड़े जायेंगे तथा संबंधित अंकपत्र एवं अंतिम सेमेस्टर के अंकपत्र में दिये गये कृपांक का विवरण मुद्रित किया जायेगा।</p> <p>उक्त संबंध में परीक्षा नियंत्रक प्रो० एल०पी० पुरोहित ने सदन को अवगत कराया कि प्रो० विवेक कुमार की अध्यक्षता में गठित समिति की रिपोर्ट आने पर इसके अतिरिक्त अन्य (यदि कोई हो) निर्णय लिया जाएगा।</p>												
प्रस्ताव संख्या-03	<p>शिक्षा पटल की गत बैठक दिनांक 23.02.2026 में पारित प्रस्तावों (प्रस्ताव 04 (पूरक प्रस्ताव संख्या 03), 07 एवं पूरक प्रस्ताव संख्या 1) पर क्रियान्वयन।</p> <p>उक्त विषय सर्वसम्मति से सम्पुष्ट हुआ।</p>												
प्रस्ताव संख्या-04	<p>समविश्वविद्यालय में 24 फरवरी 2026 से अप्रैल 2026 तक घोषित परीक्षा परिणामों का अनुमोदन।</p> <p>24 फरवरी 2026 से अप्रैल 2026 तक घोषित परीक्षा परिणामों की सम्पुष्टि की गयी।</p>												
प्रस्ताव संख्या-05	<p>शोध उपाधि अधिसूचना (फरवरी एवं मार्च 2026) का अनुमोदन।</p> <p>शोध उपाधि अधिसूचना (फरवरी एवं मार्च 2026) की सम्पुष्टि की गयी।</p>												
प्रस्ताव संख्या-06	<p>बोर्ड ऑफ स्टडीज की कार्यवाही का अनुमोदन।</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>क्र०सं०</th> <th>विभाग</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1.</td> <td>रसायन (बी.एस-सी.) (दिनांक 19.02.2026)</td> </tr> <tr> <td>2.</td> <td>वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग बी.एस-सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान) (दिनांक 14.03.2026)</td> </tr> <tr> <td>3.</td> <td>बी०टैक (मैकेनिकल) (दिनांक 17.04.2026)</td> </tr> <tr> <td>4.</td> <td>जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान (बी-एस.सी. एवं एम.एस-सी.) (दिनांक 18.04.2026)</td> </tr> </tbody> </table> <p>बैठक में बोर्ड ऑफ स्टडीज की कार्यवाही की सम्पुष्टि की गयी।</p>	क्र०सं०	विभाग	1.	रसायन (बी.एस-सी.) (दिनांक 19.02.2026)	2.	वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग बी.एस-सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान) (दिनांक 14.03.2026)	3.	बी०टैक (मैकेनिकल) (दिनांक 17.04.2026)	4.	जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान (बी-एस.सी. एवं एम.एस-सी.) (दिनांक 18.04.2026)		
क्र०सं०	विभाग												
1.	रसायन (बी.एस-सी.) (दिनांक 19.02.2026)												
2.	वनस्पति एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग बी.एस-सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान) (दिनांक 14.03.2026)												
3.	बी०टैक (मैकेनिकल) (दिनांक 17.04.2026)												
4.	जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान (बी-एस.सी. एवं एम.एस-सी.) (दिनांक 18.04.2026)												
प्रस्ताव संख्या-07	<p>आर०डी०सी० की बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन।</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>क्र०सं०</th> <th>विभाग</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1.</td> <td>हिन्दी विभाग (दिनांक 15.04.2026)</td> </tr> <tr> <td>2.</td> <td>अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय (CSE) (दिनांक 10.04.2026)</td> </tr> <tr> <td>3.</td> <td>वेद विभाग (दिनांक 13.04.2026)</td> </tr> <tr> <td>4.</td> <td>संस्कृत (दिनांक 18.04.2026)</td> </tr> <tr> <td>5.</td> <td>भौतिकी (दिनांक 08.04.2026)</td> </tr> </tbody> </table> <p>बैठक में आर०डी०सी० की बैठक की कार्यवाही की सम्पुष्टि की गयी।</p>	क्र०सं०	विभाग	1.	हिन्दी विभाग (दिनांक 15.04.2026)	2.	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय (CSE) (दिनांक 10.04.2026)	3.	वेद विभाग (दिनांक 13.04.2026)	4.	संस्कृत (दिनांक 18.04.2026)	5.	भौतिकी (दिनांक 08.04.2026)
क्र०सं०	विभाग												
1.	हिन्दी विभाग (दिनांक 15.04.2026)												
2.	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय (CSE) (दिनांक 10.04.2026)												
3.	वेद विभाग (दिनांक 13.04.2026)												
4.	संस्कृत (दिनांक 18.04.2026)												
5.	भौतिकी (दिनांक 08.04.2026)												
प्रस्ताव संख्या-08	<p>शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग में कार्यरत प्राध्यापकों (डॉ० शिव कुमार चौहान, डॉ० प्रणवीर सिंह, डॉ० कपिल मिश्रा, डॉ० अनुज कुमार(अनुबन्ध) को शोध निर्देशक बनाये जाने पर पुनर्विचार।</p> <p>उक्त के संदर्भ में प्रो० दिनेश चन्द्र शास्त्री ने कहा कि समविश्वविद्यालय में पिछले 10-25 वर्षों से विभिन्न विभागों में प्राध्यापक कार्य कर रहे हैं। जिस प्रकार वह सह निर्देशक बन सकते हैं। वैसे ही उन्हें शोध निर्देशक भी बनाया जा सकता है। प्रो० सत्येन्द्र राजपूत ने कहा कि स्ववित्त पोषित विभागों में कार्यरत प्राध्यापकों के नाम के आगे 'अनुबन्ध' शब्द हटा लिया जाए तो उन प्राध्यापकों को शोध निर्देशक बनाया जा सकता है।</p> <p>प्रो० ब्रह्मदेव ने कहा कि समविश्वविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापकों को यू०जी०सी० के नियमानुसार वेतन दिया जाए तथा दो सत्रों के बीच अध्यापन कार्य में एक या दो दिन का गैप दिया जाए। उन्होंने कहा कि शोध कार्य की सुविधा उन सभी तदर्थ प्राध्यापकों को दी जाए जिन्हें अध्यापन कार्य करते हुए तीन वर्ष हो गए हैं। इस संबंध में प्रो० दिनेशचन्द्र शास्त्री ने कहा कि मेरठ विश्वविद्यालय की भांति गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय) में भी सभी विभागों के तदर्थ प्राध्यापकों को निर्देशक बनने की सुविधा दी जा सकती है।</p> <p>कुलपति प्रो० प्रतिभा मेहता लूथरा ने कहा कि स्ववित्त पोषित विभागों में कार्यरत</p>												

LMA

	प्राध्यापकों के नाम के आगे से 'अनुबन्ध' शब्द हटाने हेतु विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राध्यापकों को 35 माह या 05 वर्ष का अध्यापन कार्य कराने का नियुक्ति पत्र दिया जा सकता है।
प्रस्ताव संख्या-09	<p>आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो० पंकज मदान द्वारा दिनांक 28.02.2026 को एक बैठक आहुत की गयी। बैठक के बिन्दु संख्या 01 (a, b, c) पर विचार।</p> <p>प्रो० पंकज मदान पर द्वारा उक्त विषय पर विस्तार से जानकारी दी जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।</p>
प्रस्ताव संख्या-10	<p>उप परीक्षा नियंत्रक, मूल्यांकन अनुभाग द्वारा प्रेषित पत्र पर विचार।</p> <p>बिन्दु संख्या 01 में सर्वसम्मति से परीक्षा परिणाम जारी करने की स्वीकृति प्रदान की गई।</p> <p>बिन्दु संख्या 02 एम०ए० (इतिहास) की छात्रा को परीक्षा फार्म भरवाकर गोल्डन में बैठने की अनुमति तथा संबंधित सेमेस्टर के गजट में रिकार्ड अंकित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी।</p>
प्रस्ताव संख्या-11	<p>शोध कार्य हेतु वेद विभाग के अभ्यर्थी साधुराम द्वारा प्रेषित पत्र पर विचार।</p> <p>बैठक में उक्त विषय सर्वसम्मति से निरस्त किया गया।</p>
प्रस्ताव संख्या-12	<p>डी०लिट्/डी०एस-सी० पाठ्यक्रम द्वारा गठित समिति द्वारा निर्धारित नियम एवं उपनियम विचार।</p> <p>डी०लिट्/डी०एस-सी० पाठ्यक्रम के नियमों हेतु गठित समिति द्वारा निर्धारित नियम एवं उपनियम के संबंध में प्रो० एल०पी० पुरोहित ने अवगत कराया जिन्हें सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। यह नियम सत्र 2026-27 से प्रभावी होंगे।</p>
प्रस्ताव संख्या-13	<p>एन.ई.पी. (पी.जी.) नियमावली के संशोधन पर विचार।</p> <p>प्रो० राकेश कुमार ने एन.ई.पी. (पी.जी.) नियमावली के संदर्भ में सदन को जानकारी दी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के करिकुलम एवं क्रेडिट फ्रेमवर्क 2024 पर आधारित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए संशोधित परीक्षा एवं मूल्यांकन नियमावली 2026 अनुमोदित की गई।</p>
प्रस्ताव संख्या-14	<p>निदेशक, रिसर्च एण्ड डवलपमेंट द्वारा निम्न विषय पर चर्चा Standardization and Strengthening of Ph.D. Processes, including: Introduction of a common course on Research Publication Ethics (RPE) and standardized components of Research Methodology (RM).</p> <p>उक्त विषय डीन, रिसर्च एण्ड डवलपमेंट डॉ० सुहास ने कहा कि</p> <ol style="list-style-type: none"> Common Coursework <ol style="list-style-type: none"> Research Publication Ethics (RPE) to be offered as a common University-level paper. A Committee will examine feasibility of standardizing up to 50% of the Research Methodology (RM) course across departments through the CoE. Specialization Paper <ol style="list-style-type: none"> Scholars may choose subject-specific papers from departmental course baskets based on research interest, with RAC approval. Selected papers should preferably not duplicate Master's level courses. Choice to be finalized during the coursework semester. UTIN and QR Code <p>All Ph.D. theses will be assigned a Unique Thesis Identification Number (UTIN) and QR code for verification through the CoE.</p> Thesis Submission Format <ol style="list-style-type: none"> At submission stage, scholars will submit soft copy and soft-bound thesis only. Hard-bound copies to be submitted after successful viva-voce and incorporation of corrections. Pre-submission Seminar <p>Departments shall strengthen pre-submission seminars and properly maintain</p>

	<p>records of proceedings, observations, and suggestions.</p> <p>6. Centralized Viva-Voce Ph.D. viva-voce examinations may be conducted centrally at a designated University venue, wherever feasible.</p>
प्रस्ताव संख्या-15	<p>नए पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने पर विचार :</p> <p>1. M.Sc. Forensic Science & Criminology 2. M.Sc. Biomedical Science</p> <p>उक्त के संदर्भ में आई.क्यू.ए.सी० के निदेशक प्रो० पंकज मदान ने कहा कि उनके द्वारा एक समिति के माध्यम से नए पाठ्यक्रमों की Feasibility Report तैयार की गयी है। अतः नए पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करने से पूर्व कुलपति महोदया की अध्यक्षता में संबंधित संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर अंतिम निर्णय लिया जायेगा।</p>
प्रस्ताव संख्या-16	<p>आर०डी०सी०, बी०ओ०एस० एवं ए०आर०सी० की बैठक ऑफलाइन कराए जाने की सम्पुष्टि।</p> <p>आर०डी०सी०, बी०ओ०एस० एवं ए०आर०सी० की बैठक हाइब्रिड (ऑफलाइन/ऑनलाइन) माध्यम से कराए जाने की सम्पुष्टि की गयी।</p>



कुलसचिव



अध्यक्ष की अनुमति से अन्य प्रस्ताव


<p>पूरक प्रस्ताव संख्या- 01</p>	<p>समविश्वविद्यालय में गर्भस्थ छात्र परम्परा : नीति पत्र लागू किए जाने पर विचार।</p> <p>उक्त विषय सर्वसम्मति से सम्पुष्ट किया गया।</p>	
<p>पूरक प्रस्ताव संख्या- 02</p>	<p>समविश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों को अन्य संस्थानों/ विश्वविद्यालयों में सह-निर्देशक बनाए जाने पर विचार।</p> <p>उक्त विषय पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समविश्वविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापकों को अन्य संस्थाओं/विश्वविद्यालय में सह निर्देशक नहीं बनाया जायेगा तथा अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों के प्राध्यापकों को गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय द्वारा शोध निर्देशक बनने की अनुमति नहीं दी जायेगी। सह-निर्देशक केवल विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को ही Interdisciplinary शोध क्षेत्र के कार्य करने हेतु बनाया जा सकता है।</p>	
<p>पूरक प्रस्ताव संख्या- 03</p>	<p>निदेशक रिसर्च एण्ड डवलपमेंट द्वारा प्रेषित पत्र पर विचार: Standardization and Strengthening of Ph.D. Processes</p> <ol style="list-style-type: none"> i. Assignment of Unique Thesis Identification Number (UTIN) and incorporation of QR code in PhD theses for verification of scholar and research details. ii. At submission stage, the scholar shall submit a soft copy and soft-bound thesis; hard-bound copies shall be submitted only after the viva voce examination and incorporation of corrections, if any iii. Strengthening of pre-submission seminar practices through structured presentation and brief recording of feedback, prior to the final viva-voce examination. iv. Proposal for centralized conduct of PhD viva-voce examinations at a designated venue in the University. <p>उक्त विषय निदेशक, रिसर्च एण्ड डवलपमेंट के डा० सुहास द्वारा प्रस्तुत किया गया। बिन्दु संख्या (i-iii) यथावत् स्वीकृत किया गया तथा बिन्दु संख्या (iv) के सन्दर्भ में निर्णय लिया गया पी-एच०डी० मौखिकी परीक्षा सीनेट हॉल में आहुत की जाए। बैठक में सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि समविश्वविद्यालय में पी-एच०डी० (आर०ई०टी०) प्रारम्भ करने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली को पत्र प्रेषित किया जाए तथा उनकी सहमति के उपरान्त अन्य विश्वविद्यालयों की भांति गुरुकुल में भी पी-एच०डी० विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शोध प्रवेश परीक्षा (RET) के माध्यम से प्रारम्भ की जा सकती है।</p>	
<p>पूरक प्रस्ताव संख्या- 04</p>	<p>कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून में जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेशित अभ्यर्थियों की संख्या कम हैं उन पाठ्यक्रमों/विभागों को कन्या गुरुकुल हरिद्वार में स्थानान्तरण करने पर विचार।</p> <p>उक्त संदर्भ में कुलपति प्रो० प्रतिभा मेहता लुथरा ने कहा कि जो पाठ्यक्रम कन्या गुरुकुल देहरादून में चल रहे हैं, अगर उन पाठ्यक्रमों में छात्राओं की संख्या कम है तो उन्हें हरिद्वार संबंधित विभाग में स्थानान्तरित किया जा सकता है। कुलसचिव प्रो० सत्यदेव निगमालंकार ने कहा कि उक्त संदर्भ में एक समिति का गठन किया जाए। समिति के निर्णय आने के उपरान्त ही अग्रिम कार्यवाही की जाए।</p>	

LM

(Handwritten Signature)

<p>पूरक प्रस्ताव संख्या- 05</p>	<p>अस्थाई शिक्षक/शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के आश्रितों (पुत्र/पुत्री/पत्नी) को समविश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों में स्टाफ वार्ड की सुविधा दिए जाने पर विचार।</p> <p>उक्त बिन्दु में चर्चा हुई कि समविश्वविद्यालय में पिछले कई वर्षों से अस्थाई शिक्षक/शिक्षकेत्तर निरन्तर सेवा दे रहे हैं। उनके आश्रितों को स्टाफ वार्ड की सुविधा दी जानी चाहिए।</p> <p>उक्त के आलोक में कुलपति प्रो० प्रतिभा मेहता लूथरा ने कहा कि उक्त संदर्भ में यू०जी०सी०/अन्य संस्थानों में क्या नियम है उसकी जांच की जाए। इस संदर्भ में एक समिति का गठन किया जाए। समिति के निर्णय आने के उपरान्त ही अग्रिम कार्यवाही की जाए।</p>	
<p>पूरक प्रस्ताव संख्या- 06</p>	<p>स्ववित्त पोषित (SFS) विभागों में पिछले वित्तीय वर्ष/सत्र की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष/सत्र में हुई आय के अनुसार उन विभागों के शिक्षक/शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को बढ़ी हुई आय का 01 प्रतिशत इंसेंटिव के रूप में दिए जाने पर विचार।</p> <p>उक्त संदर्भ में एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया। समिति के निर्णय आने के उपरान्त ही अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।</p>	
<p>पूरक प्रस्ताव संख्या- 07</p>	<p>समविश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में BCA (Honours) with Specilization in Data Science/AI पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने पर विचार।</p> <p>कम्प्यूटर विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष (कार्यवाहक) प्रो० प्रवीणा चतुर्वेदी ने कहा कि उक्त पाठ्यक्रम मुख्य परिसर में संचालित किया जाएगा। कुलपति प्रो० प्रतिभा मेहता लूथरा ने कहा कि उक्त पाठ्यक्रम ए.आई.सी.टी.ई. की स्वीकृति के उपरान्त ही प्रारम्भ किया जाए।</p>	
<p>पूरक प्रस्ताव संख्या- 08</p>	<p>Proceeding of 19th IQAC Meeting and ATR on 18th Meeting :</p> <p>1. Proceedings of IQAC Committee Meeting held on 07.04.26 and ATR on 18th IQAC meeting</p> <p>2. Code of Conduct Review (Proposed Panel)</p> <p>i) Prof. Rakesh Jain -Chairperson ii) Dr. Rakesh Bhutani-Member iii) Dr. Vipin (NIRF/IQAC representative)-convenor</p> <p>3. Hazardous Waste Management Policy Review (Proposed Panel):</p> <p>i) Prof. D.S. Malik. Chairperson ii) Dr. Sangeeta Madan-Member iii) Dr. Vinod Kumar-Member iv) Dr. Vineet- Convenor</p> <p>4. It is proposed that Policies related to Admission and other critical functions should be made, passed and put in public.</p> <p>उक्त प्रस्ताव प्रो० पंकज मदान द्वारा प्रस्तुत किया गया बिन्दु संख्या 1,2,4 सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। बिन्दु संख्या 3. Hazardous Waste Management Policy Review (Proposed Panel) : में प्रो० डी०एस०मलिक, अध्यक्ष के स्थान पर प्रो० नमिता जोशी को अध्यक्ष बनाया गया।</p>	
<p>पूरक प्रस्ताव संख्या- 09</p>	<p>केन्द्रीय समय सारणी (Centralised Time Table) के क्रियान्वयन पर विचार विमर्श</p> <p>उक्त विषय सर्वसम्मति से सम्पुष्ट किया गया।</p>	

LCM



कुलसचिव